Roll No. .....

MAHL-12 (M.A. Hindi)

First Year Examination-2015

MAHL- 101

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं आदिकालीन कविता

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 60**

नोट : यह प्रश्न-पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन प्रश्नों के उत्तर देने हैं । (3×10=30)

1. निम्नलिखिति में से किसी एक की व्याख्या कीजिए:

(क) गुरु कीजै गहिला निगुरा न रहिला ।

गुरु बिन ग्यान न पायला रे भाईला ।।

दूधै धोया कोइला उजला न होइला ।

कागा कंठै पहुप माल हंसला न भैला ।।

(ख) खुसरो रैन सुहाग की जागी पी के संग ।
तन मेरा मन पीऊ का, दोउ भये एक रंग ।।

2. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा को रेखांकित कीजिए।

3. आदिकालीन परिस्थितियों एवं प्रवृत्तियों को निर्धारित कीजिए।

4. विद्यापति के काव्य साहित्य का सौन्दर्य उद्घाटित कीजिए।

5. अमीर खुसरो के काव्य की समालोचना कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

(4×5=20)

1. इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा पर प्रकाश डालिए।

2. नाथ सम्प्रदाय पर टिप्पणी लिखिए।

3. जैन साहित्य की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

4. विद्यापति के काव्य-व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

5. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल कृत 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' पर टिप्पणी कीजिए।

6. आदिकाल के नामकरण की समस्या पर विचार कीजिए।

7. हिन्दी साहित्येतिहास के काल-विभाजन की समस्या पर प्रकाश डालिए।

8. आदिकालीन साहित्य का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड-ग

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×1=10)

(क) निम्नलिखित कथनों में से सत्य/ असत्य का चुनाव कीजिए।

1. बीसलदेव रासो के रचनाकार चन्दबरदाई हैं।

2. वीरगाथाकाल नामकरण हजारी प्रसाद द्विवेदी का है।

3. 'जोई- जोई पिंडे सोई ब्रह्मांडे' पंक्ति के रचनाकार गोरखनाथ जी हैं।

4. विद्यापति को 'मैथिल कोकिल' कहा जाता है।

5. भक्तमाल के रचनाकार तुलसीदास हैं।

(ख) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

6. आदिकाल को सिद्ध-सामंतकाल ..... ने कहा है।

(राहुल सांकृत्यायन/ हजारी प्रसाद द्विवेदी/ रामचन्द्र शुक्ल)

7. रीतिकाल को 'अलंकृत काल' ..... ने कहा है।

(हजारी प्रसाद द्विवेदी/ मिश्रबंधु/ डॉ. नगेन्द्र)

8. 'द मॉर्डन वर्नाक्युलर लिट्रेचर आव हिन्दुस्तान' के लेखक ..... हैं। (तासी/ एफ. ए. के./ ग्रियर्सन)

9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य के इतिहास को प्रमुख रूप से ..... खण्डों में विभक्त किया है। (4/ 5/ 10)

10. पउम चरिउ के रचनाकार ..... हैं।

(पुष्पदन्त/ स्वयंभू/ धनपाल)